www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–07 जुलाई –2024

इस अंक में...

- विश्व पर्यावरण दिवस P. 2
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस P. 2
- लघु बाजरा पर प्रक्षेत्र दिवस सह जागरूकता P. 3
- मैंगो फेस्ट-2024 P. 4
- वार्षिक समीक्षा बैठक P. 5
- संवेदनशील कार्यशाला P. 6
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे माह जुलाई 2024 के ई-न्यूज़लेटर को प्रस्तुत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। मुझे यह जानकर बहुत गर्व हो रहा है कि रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा को भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) रैंकिंग 2024 में भारत के 50 शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से 7वां एवं भारत के केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों और बिहार के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पहला स्थान मिला है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारी पिछली रैंकिंग को देखते हुए विशेष रूप से सराहनीय है जो 2023 में 52 थी। यह प्रगति हमारे पूरे विश्वविद्यालय परिवार के अथक प्रयासों और समर्पण का प्रमाण है।

पिछले महीने कई प्रभावशाली कार्यक्रम और पहल हुए हैं जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध और सामुदायिक सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं। हमने माह की शुरुआत 1 जून को ढोली में बाजरा क्षेत्र दिवस सह जागरूकता कार्यक्रम के साथ की, जिसमें 100 से अधिक किसानों को खाद्य सुरक्षा और स्थिरता बढ़ाने के लिए बाजरा की खेती के लाभों और तकनीकों से अवगत किया गया।

दिनाँक 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस, "मेरा पेड़ मेरा विश्वविद्यालय" नारे के साथ एक वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम के रूप मे मनाया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के समर्पण को दोहराया गया तथा सभी को एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक अनुसंधान के साथ एकीकृत करने के हमारे प्रयासों के क्रम मे , भारतीय कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से दिनाँक 8 से 9 जून 2024 तक "जलवायु परिवर्तन के बीच भारतीय कृषि में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक दृष्टिकोण" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों, किसानों और छात्रों सहित 100 प्रतिनिधियों के विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

दिनाँक 10-11 जून 2024 को 16वां अनुसन्धान परिषद बैठक का विशेष सत्र भी आयोजन किया, जिसमें भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के कृषि अर्थशास्त्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नरेश चंद्रा, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के निदेशक अनुसंधान डॉ. एस.के. चतुर्वेदी और यूएएस, बंगलौर के पूर्व निदेशक अनुसंधान डॉ. एनआर गंगाधरप्पा जैसे विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत 59 शोध प्रस्तावों की समीक्षा की गई। डॉ. अरुणा टी. कुमार, पूर्व मुख्य संपादक, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भा.कृ.अनु.प.; डॉ. श्रीधर गुटम, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प. -भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर; और डॉ. जी. रत्ना सभापति, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई ने उत्कृष्ट वैज्ञानिक लेख एवं उनके उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए आवश्यक तत्वों एवं दिशा निर्देशों को साझा किया।

आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के सहयोग से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसका विषय था "स्वयं और समाज के लिए योग", जिसमें अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के समग्र लाभों पर प्रकाश डाला गया।

विश्वविद्यालय में पहली बार 27 जून को "आम महोत्सव" का आयोजन किया, जिसमें आम की किस्मों की विविधता समृद्धि, खेती और खपत को बढ़ावा देने का उत्सव मनाया गया। इस महोत्सव का उद्देश्य आम की विविधता को संरक्षित करना और उसके हितधारकों को आम की विभिन्न किस्मों से अवगत कराना था।

28 जून को "जलवायु-अनुकूल कृषि के लिए रणनीति बनाने" पर केंद्रित एक कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें बदलती जलवायु के अनुरूप कृषि पद्धतियों को अपनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। कार्यशाला के दौरान 15 से अधिक वैज्ञानिकों ने अपने अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की, जिस पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य में चर्चा की गई।

अंत में, विश्वविद्यालय द्वारा 29 जून को वर्चुअल मोड में 18वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस का आयोजन किया गया, जिसका विषय था “यूज़ ऑफ़ डाटा फॉर डिसीजन मेकिंग” जिसमें कृषि अनुसंधान और विकास में सांख्यिकी के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

मैं इन सभी सफलताओं के लिए सभी संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों को उनके अटूट समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। आइए हम सब मिलकर उत्कृष्टता और नवाचार के लिए प्रयास करना जारी रखें, जिससे हमारा विश्वविद्यालय कृषि शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक अग्रणी बन सके।

जय हिन्द !

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➢ **युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार** के निर्देशानुसार, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों द्वारा 3 जून, 2024 को विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों द्वारा परिसर के आस-पास के गांवों में जागरूकता बैनर के साथ साइकिल रैली निकाली गई।

➢ **5 जून 2024 को पूसा विश्वविद्यालय परिसर और उसके घटक महाविद्यालयों में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।** इस अवसर पर "भूमि पुनरुद्धार, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता" विषय पर भाषण और पोस्टर प्रतियोगिता जैसे कई गतिविधियाँ और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, साथ ही "मेरा पेड़ मेरा विश्वविद्यालय" और "एक छात्र - एक पौधा" के नारे के तहत विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों द्वारा फलों के पौधे लगाए गए।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के 8वें सेमेस्टर के (04) छात्र - सुशांत कुमार, आयुष कुमार गुप्ता, श्वेता सुमन और स्वागतो पेन का चयन आईडीबीआई बैंक में जूनियर असिस्टेंट मैनेजर के पद पर हुआ।

सुशांत कुमार

आयुष कुमार

गुप्ता श्वेता सुमन

स्वागतो पैन

➢ **खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय ने 7 जून 2024 को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया।** इस अवसर पर, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान, तंजावुर (शोध केंद्र भटिंडा) के प्रोफेसर डॉ बिनोद कुमार ने एक व्याख्यान दिया और छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की।

➢ **12 जून, 2024 को विद्यापति सभागार, रा. प्र.के.कृ.वि. में कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के एक और सफल शैक्षणिक वर्ष के समापन पर विदाई समारोह आयोजित किया गया।** डॉ. पी.एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि.,ने सभा को संबोधित किया, पिछले वर्ष की उपलब्धियों और चुनौतियों पर विचार करते हुए शैक्षणिक गतिविधियों में अनुकूलता और दृढ़ता के महत्व पर जोर दिया।

➢ **21 जून, 2024 को पूसा परिसर, रा.प्र.के.कृ.वि. में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।** कार्यक्रम का आयोजन छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा योग क्लब के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों सहित लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निदेशक, प्रसार शिक्षा, समारोह के मुख्य अतिथि।

➢ **दिनांक 25 जून, 2024 को आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, पूसा की व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत "उपोष्णकटिबंधीय फलों की कटाई के बाद की देखभाल और भंडारण:** शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए हाल के उपाय" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान भ.कृ.अनु.प.-केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान, काकोरी, लखनऊ के प्लांट फिजियोलॉजी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए.के. त्रिवेदी द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से दोपहर 3:30 बजे दिया गया। इस व्याख्यान में संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. के छात्रों ने भाग लिया।

➢ **पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पीपराकोठी के स्नातक (बागवानी)-5वें सेमेस्टर के छात्रों ने** शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत केला अनुसंधान केंद्र, गोरौल और रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **दिनाँक 01.06.2024 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में बाजरा फसल के प्रायोगिक क्षेत्र में लघु बाजरा पर प्रक्षेत्र दिवस सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।** माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, साथ ही इस अवसर पर अधिष्ठाता, निदेशक और प्राध्यापक तथा लघु बाजरा पर काम करने वाले प्रमुख अन्वेषक और शोधकर्ताओं की टीम, प्रगतिशील बाजरा उत्पादक किसान और उद्यमी भी मौजूद रहे।

➢ **विश्व पर्यावरण दिवस-2024 पर विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम :** विश्व पर्यावरण दिवस-2024 के अवसर पर 5 जून 2024 को एनएसएस इकाई, छात्र कल्याण निदेशालय और वानिकी विभाग, कृषि स्नातोत्तर महाविद्यालय द्वारा विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा समस्तीपुर के जिला वन पदाधिकारी विशिष्ट अतिथि रहे। विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, संकाय और छात्रों ने इस अवसर पर 500 से अधिक पेड़ लगाए गए। माननीय कुलपति महोदय ने छात्रों को प्रति छात्र एक पौधा लगाने और परिसर में रहने तक उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करने हेतु नई पहल 'मेरा पेड़ मेरा विश्वविद्यालय' का उद्घाटन किया।

➢ **'जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक परिप्रेक्ष्य से भारतीय कृषि' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन** दिनाँक 8 और 9 जून, 2024 को 'जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक परिप्रेक्ष्य से भारतीय कृषि' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। माननीय कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. दिनेश दत्तात्रेय कुलकर्णी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के

साथ डॉ. मकरंद करकरे और इंडिगन एग्रोइकोनॉमिक रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली से श्री प्रमोद कुमार चौधरी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 100 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में विचार-विमर्श किया।

➤ **16वीं अनुसंधान परिषद बैठक (विशेष) आयोजित** 16वीं अनुसंधान परिषद बैठक (विशेष) का उद्घाटन माननीय कुलपति द्वारा भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के कृषि अर्थशास्त्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नरेश चंद्रा, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के निदेशक अनुसंधान डॉ. एस.के. चतुर्वेदी और यूएएस, बंगलौर के पूर्व निदेशक अनुसंधान डॉ. एनआर गंगाधरप्पा की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। अपने संबोधन में, माननीय कुलपति ने प्रत्येक वैज्ञानिक को किसानों की कम से कम एक समस्या पर गहन शोध करने का निर्देश दिया।

➤ **'मैंगो फेस्ट-2024 और मैंगो ग्रोइंग पर कार्यशाला' आयोजित** रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने 27 जून 2024 को 'मैंगो फेस्ट-2024 और मैंगो ग्रोइंग पर कार्यशाला' का आयोजन किया। डॉ. एच पी सिंह, पूर्व कुलपति, राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा और पूर्व डीडीजी (बागवानी) ने माननीय कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय और सभी अधिष्ठाता, निदेशकों, संकायों, किसानों और छात्रों की गरिमामयी उपस्थिति में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। लगभग 150 आम की किस्मों और आम से बने उत्पादों का प्रदर्शन किया गया और विविधता बनाए रखने के लिए किसानों को पुरस्कृत किया गया। रा.प्र.के.कृ.वि.,, पूसा की विविधता शक्ति और आम पर वर्तमान शोध गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला में छात्रों और किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बाग प्रबंधन, प्रसार और आम के बागों के कायाकल्प जैसी विभिन्न तकनीकों के बारे में सिखाया गया।

➤ **पीएफडीसी परियोजना के तहत स्थापित वर्टिकल फार्मिंग सिस्टम** कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्रिसिजन फार्मिंग विकास केंद्र (पीएफडीसी) के तहत, उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों जैसे

हाइड्रोपोनिक और एरोपोनिक को वर्टिकल एग्रीकल्चर के रूप में प्रदर्शित करने के लिए ग्रीनहाउस में विभिन्न प्रकार के फ्रेम लगाए गए हैं। ऐसी कृषि, शहरी क्षेत्रो में बालकनी/छत में प्रतिदिन हरी/पत्तेदार सब्जियाँ उगाने के

लिए शहरी कृषि प्रणाली के रूप में लोकप्रिय हो रही है। इस परियोजना को राष्ट्रीय प्रिसिजन कृषि एवं बागवानी समिति (एनसीपीएएच), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

- **डिजिटल कृषि - एग्री-आईओटी डिवाइस स्थापित** मिट्टी की नमी, मिट्टी व हवा का तापमान, आरएच, पत्ती क्षेत्र सूचकांक, और वर्षा गेज सेंसर से सुसज्जित जियोकृषि एग्री आईओटी डिवाइस को 2 किमी की परिधि में अवस्थित कोठिया सहित 5 गांवों के एक समूह में स्थापित किया गया है। इन 5 गांवों के 100 किसान इस प्रणाली से जुड़े हैं, और उन्हें जियोकृषि ऐप के माध्यम से कृषि सलाहकार सेवाएं मिलती हैं। यह सेटअप राष्ट्रीय परिशुद्ध कृषि एवं बागवानी समिति, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित पीएफडीसी परियोजना (सीएईटी, पूसा) के तहत स्थापित किया गया है।

प्रसार गतिविधियाँ
वैज्ञानिक उत्कृष्टता

- **विशेष प्राप्ति**

डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल (सहायक प्राध्यापक सह वैज्ञानिक, कृषि प्रसार शिक्षा) ने 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में “फार्म टू टेबल: एक्सप्लोरिंग एग्रीकल्चरल सस्टेनेबिलिटी: ब्लॉकचेन-पॉवर्ड फ़ूड रेवोलुएशन फार्म टू फोर्क इन द डिजिटल एरा" पर की नोट अनुसन्धान पत्र प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम 1 से 21 जून, 2024 तक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय रायचूर, कर्नाटक; अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ और कृषि फोरम फॉर टेक्निकल एजुकेशन ऑफ फार्मिंग सोसाइटी (एएफटीईएफएस) विटालबायोटेक पब्लिशिंग हाउस द्वारा आयोजित किया गया।

- **वार्षिक समीक्षा बैठक 2023-24 में रा.प्र.के.कृ.वि. के वैज्ञानिकों द्वारा सहभागिता** डॉ. ए. के. मिश्रा, सह प्राध्यापक (प्लांट पैथोलॉजी) और पीआई, सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम ऑन स्पाईसेस डेवलपमेंट(भारत सरकार) ने 10-11 जून, 2024 के दौरान एसकेयूएएसटी-कश्मीर में आयोजित सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कालीकट, केरल की 18वीं वार्षिक समीक्षा बैठक में भाग लिया और वार्षिक कार्य योजना (2024-25) के साथ परियोजना कार्य (2023-34) की उपलब्धियों और प्रगति पर प्रस्तुतीकरण किया।

- **डॉ. आशीष नारायण, प्रधान अन्वेषक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना,** कंद फसलें और डॉ. आर.एस. सिंह, कंद कृषि वैज्ञानिक, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने 25-27 जून, 2024 तक नवसारी कृषि विश्वविद्यालय (एनएयू), नवसारी, गुजरात में कंद फसलों की वार्षिक समूह बैठक पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की बैठक में भाग लिया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- **कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय:** प्रसार शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय कृषि प्रसार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद के सहयोग से “कृषि में लैंगिक मुख्यधारा” विषय पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण (वर्चुअल मोड) (10-12 जून 2024) कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कुल 190 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

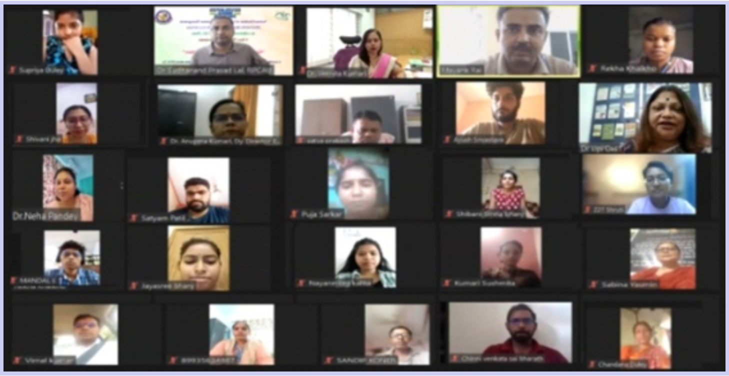

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि. कृषि ज्ञान वाहन ने चौथे बिहार कृषि रोड मैप** के तहत विभिन्न संरचना संवाद तकनिकी (आईसीटी) पहलों के माध्यम से किसानों के बीच कृषि प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है। रा.प्र.के.कृ.वि., कृषि ज्ञान वाहन ने 3 ब्लॉक और 12 पंचायतों में वीडियो प्रसार के माध्यम से समस्तीपुर जिलों के 500 से अधिक किसानों तक पहुंच बनाई है और संस्थागत अभिसरण के महत्व को उभारा है। किसानों के साथ खरीफ फसलों की विभिन्न उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया और वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए बीज और मिट्टी के नमूने भी एकत्र किए गए। कृषि विभाग के अधिकारियों जैसे परियोजना निदेशक, एटीएमए, बीएओ, बीटीएम, एटीएम, कृषि समन्वयक और संबंधित वैज्ञानिकों ने ज्ञान वाहन के संसाधनों को रेखांकित करते हुए सीमांत किसानों और ग्रामीण महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ कृषि से संबंधित राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों के बारे में बताया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र वैशाली, तुर्की, एवं केंद्र सीवान** में 18 जून 2024 को 17वीं पीएम किसान सम्मान निधि योजना सह किसान गोष्ठी का सीधा प्रसारण आयोजित किया गया है।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) बेगूसराय** ने 11 से 13 जून 2024 तक गारा, मखवा और कुंभी गांवों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन-तिलहन के तहत तिलहन मॉडल गांवों के लिए आधारभूत सर्वेक्षण किया। कृषि विज्ञान केंद्र बेगूसराय ने 31 मई से 4 जून के दौरान चार दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण का भी आयोजन किया, जिसमें 30 किसानों ने भाग लिया।

➢ **डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा** के संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों के लिए "उत्कृष्ट वैज्ञानिक लेख एवं उनके उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन " पर एक संवेदनशील कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों . अरुणा टी. कुमार, पूर्व मुख्य संपादक, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भा.कृ.अनु.प.; डॉ. श्रीधर गुटम, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प. -भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर; और डॉ. जी. रत्ना सभापति, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा व्यावहारिक वार्ता शामिल थी। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलसचिव, निदेशक अनुसंधान, निदेशक शिक्षा के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अन्य अधिष्ठाताओं, निदेशकों, संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों की गरिमामय उपस्थिति में हुआ।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, शिवहर** ने दिनांक 22 जून और 25 जून 2024 को एकीकृत मछली पालन, खरीफ फसल उत्पादन में हैप्पी सीडर और जीरो टिलेज का उपयोग और खरीफ सब्जी फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का उपयोग विषय पर तीन पी/एफ प्रशिक्षण आयोजित किए, जिसमें कुल 90 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षणों के अलावा, केवीके शिवहर ने जून, 2024 के महीने में 80 एकड़ (सीआरए गांव में 50 एकड़ और गैर-सीआरए गांव में 30 एकड़) में भूमि लेजर समतलीकरण का काम भी पूरा किया और 595 एकड़ से अधिक क्षेत्र को कवर करने वाले किसानों को डीएसआर, वैकल्पिक गीली और सूखी विधि (एडब्ल्यूडी), खेत की मेड़बंदी में जल संचयन और आईएनएम जैसी विभिन्न अपनाई गई तकनीक के लिए 71.0 क्विंटल धान के बीज वितरित किए।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, भगवानपुर हाट, सीवान:** 1 जून 2024 को कृषि विज्ञान केंद्र, सीवान में 15 दिवसीय आईएनएम प्रशिक्षण बैच 7 के 6वें दिन डॉ. एस. के. चतुर्वेदी, निदेशक अनुसंधान, आरएलबीसीएयू झांसी द्वारा उर्वरकों के विनिर्देशों, पोषक तत्व सामग्री, हैंडलिंग, भंडारण और

परिवहन के विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया तथा 10 जून 2024 को आईएनएम प्रशिक्षण के 7वें बैच का एक समापन सत्र आयोजित हुआ। इसी तरह, 18 जून 2024 को सोनबर्षा गांव में कटहल और आम के मूल्य संवर्धन पर पांच दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 19 जून 2024 को डीएओ कार्यालय सीवान में कीटनाशक डीलरों को कृषि रसायनों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग पर व्याख्यान दिया गया। सिकटिया ब्लॉक- महाराजगंज में सीआरए कार्यक्रम के तहत 24 और 25 जून 2024 को क्रमशः किसान गोष्ठी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच 'पोषण उद्यान के बारे में जागरूकता' पर एक दिवसीय प्रसार कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की:** 1 जून 2024 को मुशहरी ब्लॉक में खरीफ महाअभियान सह किसान गोष्ठी "पोषण सुरक्षा के लिए बाजरा संवर्धन" का आयोजन किया गया तथा 30 जून 2024 को कृषि विज्ञान केंद्र में लघु मशरूम उत्पादकों पर 30 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का समापन समारोह आयोजित किया गया। श्री गोपाल मीना (आईएएस), आयुक्त मुजफ्फरपुर तथा श्री प्रमोद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, मुजफ्फरपुर ने क्रमशः मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) वैशाली: 13 जून को आत्मा, वैशाली द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) वैशाली के सहयोग से बाजरे पर किसान वैज्ञानिक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली, डीएओ वैशाली, एसडीएचओ, एडीएच, डीपीडी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वैशाली जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 106 किसानों ने भाग लिया।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

डॉ. नरेश चंद्र

प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने

दिनांक 10-06-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. एस.के. चतुर्वेदी

निदेशक अनुसंधान, आरएलबीसीएयू, झांसी ने

10-06-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. एन.आर. गंगाधरप्पा

पूर्व निदेशक अनुसंधान, यूएएस, बैंगलोर ने

11-06-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. जी.आर. रामकृष्ण मूर्ति

एनएएआरएम, हैदराबाद ने

12-06-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

श्री शिब शंकर दास

आईआईटी खड़गपुर ने

12-06-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. अरुणा टी. कुमार

पूर्व मुख्य संपादक, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भा.कृ.अनु.प. ने

20-06-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. श्रीधर गुटम

प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प. -भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर ने 20-06-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

सेवानिवृति समारोह

➢ दिनाँक 30 जून 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

1. **श्री अरविन्द कुमार पोद्दार**
   प्रशाखा पदाधिकारी, कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय
2. **श्री तारकेश्वर नाथ सिंह**
   वरीय तकीनीकी सहायक, सुरक्षा शाखा
3. **श्री चंदेश्वर पंडित**
   कुशल सहायक कर्मचारी, छात्र कल्याण निदेशालय
4. **श्री शंकर पासवान**
   कुशल सहायक कर्मचारी, संयंत्र एवं सुविधा निदेशालय

संपादक - मंडल

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहेरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहयोग:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in